32 PAGES ANSWER BOOK

विषय Subject : Hindi

विषय कोड Subject Code : 051

परीक्षा की दिनांक / Date of Exam : 020323

उत्तर देने का माध्यम
Medium of answering the paper : English

प्रश्न पत्र का सेट
Set of the Question paper : B

गोले भरने हेतु उदाहरण :-
सही तरीका :- ● ○ ○ ○
गलत तरीका :- ⊗ ⊘ ○ ◐ ◉ ○

नोट :-
इस शीट को भरने के पूर्व इस पृष्ठ के पीछे दिए गए उदाहरण को देखें।

ID NO. 6742487
SUB. 051 - HINDI
Bag. 70511131
pkt. 3

केवल मूल्यांकनकर्ता के उपयोग हेतु!

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

32 पृष्ठीय

केवल परीक्षक द्वारा भरा जावे।
प्रश्न क्रमांक के सम्मुख प्राप्तांकों की प्रविष्टी करें।

प्रश्न क्रमांक	पृष्ठ क्रमांक
1	
2	
3	
4	
5	
6	
7	
8	
9	
10	
11	
12	
13	
14	
15	
16	
17	
18	
19	
20	
21	
22	
23	
24	
25	
26	
27	
28	

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे ↓

परीक्षक एवं उपमुख्य परीक्षक द्वारा भरा जावे

प्रमाणित किया जाता है कि अन्दर के पृष्ठों के अनुरूप मुख्य पृष्ठ पर अंकों की प्रविष्टी एवं अंकों का योग सही है।

निर्धारित मुद्रा : नाम, पदनाम, मोबाईल नम्बर, परीक्षक क्रमांक एवं पदांकित संस्था के नाम की मुद्रा लगाएं।

उप मुख्य परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा	परीक्षक के हस्ताक्षर एवं निर्धारित मुद्रा
Smt. Sandhya Bain (U.M.S.) Govt. Exc. H.S.S. KATNI	Dr. Parveen ... (U.M.S.) Govt. Ex. H.S. School, KATNI

...AYAT (PRINCIPAL)
Mob. 998...
Valuer No...

प्रश्न क्र.

प्र. 01

(i) उत्तर (अ) दत्ताजी राव के यहाँ

(ii) उत्तर (ब) नामिक

(iii) (स) शब्दालंकार

(iv) (अ) गत कालों में

(v) उत्तर (द) कपड़े पहनाती है।

(vi) उत्तर (स) पैसे की

प्रश्न. 02
उत्तर (i) लेखक

(ii) नौ वर्ष की उम्र

(iii) भूषण

(iv) कागज़ के पन्ने से

(v) बिड़ला मंदिर

(vi) सरल वाक्य

(vii) मात्रिक

उत्तर (i) मस्ती का संदेश - (ब) हरिवंशराय बच्चन

(ii) चौपाई छंद - (अ) 16 मात्राएँ

(iii) चित्रकार - (द) चितेरा

(iv) सम्पादकीय पृष्ठ - (स) अखबार की आवाज़

(v) हिंदी साहित्य का स्वर्ण युग। - (ई) भक्तिकाल

(vi) छायावाद के प्रवर्तक कवि - (इ) जयशंकर प्रसाद

.4
उत्तर (i) ढोलक की आवाज़ मृत गाँव में संजीवनी शक्ति भरती रहती थी।

(ii) मैथलीशरण गुप्त

(iii) कवि ने स्लेट पर लाल खड़िया चाक मलने की बात कही है।

प्रश्न क्र.

(iv) सोरठा छंद मात्राओं की दृष्टि से दोहा छंद का उल्टा होता है।

(v) ऐसा लघु वाक्यांश जिसका प्रयोग से भाषा क में सौंदर्य उत्पन्न होता है उसे 'मुहावरा' कहते हैं।

(vi) संवाद के माध्यम से पात्रों की पहचान की जाती है।

(vii) खजूर और अंगूर फल उगाए जाते थे।

B
S
E

प्रश्न. 5
उत्तर (i) सत्य

(ii) सत्य

(iii) असत्य

(iv) सत्य

(v) सत्य

(vi) असत्य

प्रश्न क्र.

प्र.6
उत्तर

कवित्त छंद - कवित्त एक वार्णिक छंद है। इसमें 31 वर्ण होते हैं।
इसमें चार चरण होते हैं तथा 15 व 16 वर्णों के बाद यति होती है।

उदाहरण - खेती न किसान को,
भी भिखारी को न भीख बलि,
बनिक को बनिज,
न चाकर को चाकरी;
जीविका विहीन लोग,
सीद्यमान सोच बस,
कहै एक एकन सो,
कहाँ जाई? का करै?

स्पष्टीकरण - यह दृष्टांत कवितावली (उत्तरकांड से लिया गया है।
इसमें 31 वर्ण हैं अत: यह कवित्त है।

प्र.7
उत्तर

तकनीकी शब्द - किसी निर्मित अथवा ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में खोजी गई वस्तु व विशेष क्षेत्र में प्रयोग किए जाने वाले शब्द तकनीकी शब्द कहलाते हैं।

B
S
E

EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

उदाहरण - कम्प्युटर , लोकतंत्र
वेग , बल आदि ।

प्रश्न.7
उत्तर कवि ने अपने खेत में विचारों की अभिव्यक्ति के लिए कल्पना के माध्यम से शब्द रूपी बीज बोया। कवि के अनुसार कुछ समय बाद उसमें अंकुर फूटे और कविता के रूप में वह सामने आया। कवि का खेत कागज़ का पन्ना है चूंकि वह खेत की तरह चौकोर है। कवि उसे खेत कहता है और कवि कर्म करता है।

B
S
E

प्रश्न.8
उत्तर (i) मोहन पुस्तक पढ़ रहा है।

(ii) जंगल में शेर दहाड़ने लगा।

प्रश्न.10
उत्तर लक्ष्मण जी के लिए संजीवनी बूटी लाने के लिए हनुमान जी गए थे।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYAPRADESH BHOPAL

प्रश्न क्र.

प्र.11
उत्तर जेब के भरे होने और मन के खाली होने पर बाज़ार का जादू खूब चढ़ता है। व्यक्ति बाज़ार की वस्तुओं को देखकर ललायित हो जाता है वह उसे आकर्षक मालुम होती है। व्यक्ति अपने पैसे की गर्मी को दिखाने के लिए व पर्चेसिंग पावर का प्रयोग करता है। ऐसे में व्यक्ति उन गैरजरूरी चीज़ों को भी खरीद लेता है जो कुछ समय बाद उसके घर के किसी कोने की शोभा बढ़ा रही होती हैं।

प्र.12
उत्तर महादेवी वर्मा ने स्वयं व भक्तिन के मध्य स्वामी-सेवक के संबंध को नकारा है। लेखिका महादेवी वर्मा ~~लिखि~~ लिखती हैं कि मेरे और भक्तिन के बीच में स्वामी सेवक का सम्बन्ध हो यह कहना ~~मुश्कि~~ कठिन होगा क्योंकि भक्तिन उनके साथ रहकर केवल उनकी साथी ही नहीं बल्कि महादेवी जी के जीवन का अभिन्न अंग बन गई थी।

प्रश्न क्र.

प्र. 13

उत्तर लेखक के पिता ने आनंद को पाठशाला भेजते समय तीन शर्तें रखी। जो निम्न लिखित हैं -

(i) पाठशाला जाने से पहले खेत में पानी लगाना होगा।

(ii) पाठशाला से आकर अपना बस्ता घर पर रखकर खेत जाकर गाय-बैलों बकरियों (ढोर-डंगर) को चराना होगा।

(iii) खेत में अधिक काम होने पर पाठशाला से गोल मारना पड़ेगा।

अत: लेखक के अनुसार आनंद ने यह सारी शर्तों को स्वीकार किया और पिताजी शाला भेजने के लिए तैयार हो गए।

प्र. 14

उत्तर फिल्म और रंगमंच पर दृश्यों को निम्न की सहायता से प्रभावशाली बनाया जाता है।

(i) संवाद - स्पष्ट तथा सुंदर संवाद से, दर्शक के मन पर विशेष प्रभाव होता है।

B
S
E

(ii) ध्वनि व प्रकाश - बीच-बीच में रंगमंच व फिल्मों में बजने वाली ध्वनि भी दृश्य को प्रभावी बनाती है। प्रकाश का भी आकर्षक बनाने में प्रमुख योगदान होता है।

(iii) वेशभूषा - पात्रों की वेशभूषा भी दर्शक के मन पर गहरा प्रभाव डालती है।

(iv) वातावरण - फिल्मों तथा रंगमंच में जो वातावरण तैयार किया जाता है वह भी इसे प्रभावशाली बनाने में सहायता करता है।

.15

उत्तर संदेह अलंकार - अति सदृश्यता के कारण काव्य में जहाँ उपमेय व उपमान में अनिश्चय की स्थिति उत्पन्न हो जाए तथा संदेह होने लगे वहाँ संदेह अलंकार होता है।

उदाहरण - सारी बीच नारी है,
या बीच नारी बीच सारी है।
सारी ही कि नारी है
या नारी की ही सारी है।

EDUCATION MADHYA PRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION MADHYA PRADESH
मध्यप्रदेश

प्रश्न क्र.

स्पष्टीकरण - प्रस्तुत पंक्तियों में सारी व नारी के बीच संदेह की स्थिति निर्मित हुई है। अतः यहाँ संदेह अलंकार है।

प्र. 16
उत्तर

जननी और जन्मभूमि स्वर्ग से महान हैं।

जननी अर्थात माँ व जन्मभूमि अर्थात जहाँ आपका जन्म हुआ है दोनों को स्वर्ग से महान बताया गया है। जननी और जन्मभूमि का सभी के जीवन में एक विशेष स्थान है। यह दोनों ही महत्वपूर्ण बताई गई हैं। सभी लोगों को अपने जीवन में जननी तथा जन्मभूमि को नहीं भूलना चाहिए है। इनका सम्मान व रक्षा हमारा परम कर्तव्य है। हमारे देश के सैनिक जन्मभूमि के लिए अपनी जान को कुर्बान कर देते हैं तथा शहीद हो जाते हैं। इसी प्रकार हमें भी अपने हृदय व दिमाग में जन्मभूमि के उत्थान व विकास के लिए निरंतर प्रयास करना चाहिए।

BSE

जन्मभूमि ही कर्मभूमि है हम इस पर कर्म कर-कर इसे स्वर्ग से भी सुंदर व महान बना सकते हैं।

प्र.17
उत्तर (क) गद्यांश का उचित शीर्षक - 'हास्य' होना चाहिए।

(ख) नीरस जीवन को हास्य (हँसना) या हँसी सुखद बना देती है। इससे मनुष्य के जीवन में नीरसता के स्थान पर उमंगता छा जाती है।

(ग) हास्य तथा हँसी ही जीवन का सार बताया गया है। प्रस्तुत गद्यांश में यह बताया गया है मनुष्य जीवन भर संघर्ष करता है किसी न किसी परेशानी से घिरा रहता परंतु हास्य जीवन को जीने योग्य बनाता है। इसके सहारे वह कष्टों को भूल जाता है।

प्रश्न क्र.

प्र. 18
उत्तर तुलसीदास - तुलसीदास जी का जन्म 1532 में उत्तर प्रदेश के बाँदा जिले में हुआ। इनकी मृत्यु 1632 काशी में हुई।

(i) दो रचनाएँ - रामचरितमानस, विनयपत्रिका, कवितावली, गीतावली आदि।

(ii) भावपक्ष - कलापक्ष

भावपक्ष - (i) तुलसीदास जी ने भक्ति भावना का जीवंत उदाहरण पेश किया है।
(ii) भावपक्ष में भाव इनके बहुत प्रबल थे।

कलापक्ष - (i) तुलसीदास जी ने लोकव्यवहार की भाषा का प्रयोग किया है।
(ii) अवधी तथा ब्रजभाषा इनके काव्यों में दिखती हैं।
(iii) भाषा, सरल, सुंदर, सहज है।
(iv) छंद, रस, अलंकार का प्रयोग किया गया है।
(v) चौपाई कवित्त का सुंदर चित्रण किया गया है।

B
S
E

प्रश्न क्र.

(iii) साहित्य में स्थान - तुलसीदास भक्तिकाल के रामाश्रयी शाखा के प्रमुख कवि हुए हैं। इनके काव्य भक्ति भावना से परीपूर्ण हैं। साहित्य में इन्होंने अग्रणी स्थान प्राप्त किया।

प्र.19 उत्तर धर्मवीर भारती

धर्मवीर भारती जी का जन्म 1926 इलाहबाद में हुआ। इनकी छवि एक प्रयोगवादी साहित्यकार के रूप में इंगित है।

(i) दो रचनाएँ - कनुप्रिया, गुनाहों का देवता, सूरज का सातवाँ घोड़ा आदि।

(ii) भाषा-शैली - (i) भाषा सरल, सहज तथा सपष्ट है।
(ii) अंधविश्वासों तथा रूढ़ियों का विरोध इनकी रचनाएँ में मिलता है।
(iii) चित्रात्मक शैली का कुशलता से प्रयोग किया गया है।

(iii) साहित्य में स्थान - धर्मवीर भारती एक कुशल

प्रश्न क्र.

रचनाकार, निबंधकार, उपन्यासकार, कहानीकार के रूप में साहित्य में जगह बनाई। संस्मरण तथा रेखाचित्र को भी अपनाया। पद्मश्री से सम्मानित धर्मवीर भारती ने साहित्य में प्रमुख स्थान प्राप्त किया है।

B
S
E

MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MAD

ALBOARDOFSECONDARYEDUCATION,MADHYAPRADESH,BHOPALBOARDOFS

न क्र.
प्र.20
उत्तर प्रति,
जिलाधीश महोदय,
जिला कार्यालय,
छिंदवाड़ा (म.प्र)

विषय - ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर रोक लगाने हेतु आवेदन पत्र।

महोदय,

विनम्र निवेदन है कि अभी बोर्ड की परीक्षाएँ चल रही हैं। इस काल में बच्चे अपना सारा ध्यान पढ़ाई पर केंद्रित करना चाहते तथा तथा अच्छे से अच्छे अंक प्राप्त करना चाहते हैं। परंतु ध्वनि विस्तारक यंत्रों के कारण जो की शहर के का जगह-जगह पर लगे हुए हैं हमारी पढ़ाई में व्यवधान डाल रहे हैं। मेरा आपसे अनुरोध है कि कुछ समय के लिए इन ध्वनि विस्तारक यंत्रों पर रोक लगाई जाए।

मुझे आशा है कि आप इस विषय पर शीघ्रातिशीघ्र निर्णय लेकर हमारी समस्या का निवारण करेंगे।

धन्यवाद।

भवदीय
नाम- अ,ब,स

CATION MADHYAPRADESH BHOPAL BOARDOFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRA... OFSECONDARYEDUCATION MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

कक्षा - 12वी
पता - मोहन नगर
सेक्टर - 'बी'
छिंदवाड़ा।
दिनांक - 02 मार्च 2023।

BSE

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्र.क्र.
प्र.21
उत्तर

"पर्यावरण की सुरक्षा"

रूपरेखा - 1) प्रस्तावना ।
2) पर्यावरण का महत्व ।
3) पर्यावरण का दूषित करने वाले कारण ।
4) सुरक्षा : निवारण
5) उपसंहार

1) प्रस्तावना / भूमिका - "प्रकृति को बचाएंगे, फिर पहले जैसा बनाएंगे।"

पर्यावरण का तात्पर्य हमारे चारों ओर फैले हुए आवरण से है जिसे हम दिन रात दूषित करने में लगे रहते है। चिंताजनक बात तो यह जिस धरती पर हम सभी मनुष्य रहते है उसे ही खराब करने में लगे हुए है। लेकिन पर्यावरण की सुरक्षा हमारी मूलभूत जिम्मेदारी है। प्रकृति को खोकर हमारी आधुनिक तरक्की करने का कोई आधार नहीं है।

2) पर्यावरण का महत्व - पर्यावरण हम सभी के लिए बहुत आवश्यक तथा

CATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH

प्रश्न क्र.

महत्वपूर्ण विषय है। पर्यावरण हमें शुद्ध हवा, खाने के लिए अनाज जीवित रहने के लिए पानी देता है सभी मनुष्य या पूरा संसार अपनी जरूरतों की पूर्ति के लिए पर्यावरण पर ही आश्रित है। पर्यावरण का खत्म होने के अर्थ हमारे लिए क्षतिपूर्ण ही नहीं अपितु अंतपूर्ण सिद्ध होता है। पर्यावरण है तो हम जीवित हैं पर्यावरण का अंत है मानव जीवन के अंत की ओर एक इशारा है।

3) पर्यावरण को दूषित करने वाले कारण।:-

"प्रदूषण का करें रोकथाम इससे होगा पर्यावरण का कल्याण।"

प्रदूषण हमारे पर्यावरण को दूषित करने में बहुत योगदान है। प्रदूषण जल, हवा, भूमि सभी पर होता है जिससे प्रकृति क्षण प्रतिक्षण अपने मूल रूप से बदलकर दूषित होती जा रही है।

फैक्टरीयों से निकलने वाला गंदा पानी और कार्बन 'ग्लोबल वार्मिंग' और 'क्लाईमेट चेंज' जैसी भयानक स्थितियों का

MADHYAPRADESH, BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION, MADHYAPRADESH, BHOPAL

प्रश्न क्र.

कारण बना हुआ है। प्लास्टिक का इस्तेमाल पर्यावरण को नष्ट करने में महत्वपूर्ण है। हमारे दैनिक जीवन के कार्यों में प्लास्टिक का छोटा सा प्रयोग पर्यावरण की सदा के लिए हानि के रूप में प्रतिपादित हुआ है।

4) सुरक्षा: निवारण - पर्यावरण को बचाना है तो प्लास्टिक का इस्तेमाल आज से न करें। प्लास्टिक को न करें। सरकार की विभिन्न प्रकृति को बचाने वाली योजनाओं में सरकार का साथ दें। बढ़-चढ़कर हिस्सेदारी लें। पेड़ों को कटने से बचाएं व जागरूकता इसका हिस्सा हो।

" जागरूकता से है पर्यावरण में स्वच्छता।"

5) संहार - पर्यावरण को बचाएं, प्रकृति को दूषित होने से बचाएं इससे पर्यावरण को सुरक्षा मिलेगी। सभी जीवों के लिए पर्यावरण शुद्ध होगा। अतः पर्यावरण को बचाने के लिए निरंतर कार्य करें। पर्यावरण की सुरक्षा हमारी सुरक्षा है।

प्रश्न क्र.

प्रश्न.२२

उत्तर तिरती - - - - - - - - - - - बादल ।

संदर्भ- प्रस्तुत काव्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-२ में संकलित बादल राग से लिया गया है। जिसके रचियता सूर्यकांत त्रिपाठी निराला जी है।

प्रसंग - बादलों को विप्लव व क्रांति लाने के लिए कवि पुकार रहा है।

B
S
E

व्याख्या - कवि कहता है कि हे बादल! तुम विप्लव के वीर हो। जिस प्रकार समीर (हवा) सागर पर बह रही है उसी प्रकार सुख पर दुःख की छाया भी छा रही है।
बड़े लोग तेरी क्रांति से भयभीत हैं। यह तेरी युद्ध रूपी नौका अकांक्षाओं से भरी हुई है अर्थात सारे गरीब, निर्धन व्यक्ति सिर्फ तुमसे से ही उम्मीद लगाकर बैठे हुए हैं।
तेरी गर्जना से पृथ्वी का सुप्त अंकुर भी जाग गया है।
पृथ्वी के हृदय में तू जीवंत।

MADHYAPRADESH BHOPAL BOARD OF SECONDARY EDUCATION

प्रश्न क्र.

की आशाएँ ब भर देता है। नवजीवन का सिरऑउजन्म करने वाले बादल क्रांति कर विप्लव कर इससे गरीब जनों का कल्याण होगा।

विशेष - 1) ओज गुण प्रधान पंक्तियाँ।

2) प्रकृति का मानवीकरण किया गया है।

3) जागरूकता, सजगता, क्रांति जैसे मूल्यों को कवि उद्घाटित करना चाहता है।

BSE

प्र. 23

उत्तर एक बार - - - - - - - - - - दे रही।

संदर्भ - प्रस्तुत गद्यांश हमारी पाठ्यपुस्तक आरोह भाग-दो में संकलित कहानी 'पहलवान की ढोलक' से लिया गया है जिसके लेखक 'फणीश्वर नाथ रेणु' जी हैं।

प्रसंग - प्रस्तुत गद्यांश में लेखक ने लुट्टन द्वारा स पहलवानी करने का वर्णन किया है।

व्याख्या - लेखक बताते हैं कि एक

प्रश्न क्र.

बार लुट्टन जो गाँव में पहलवानी करते घूमता था वह श्यामनगर मेले में दंगल देखने के लिए पहुँचा । पहलवानों की कुश्ती और दाँव-पेंच देखकर उसे अंदर से जोश आ गया । उससे रहा नहीं गया । लुट्टन जवान था जवानी की मस्ती और ढोल की ललकारती हुई आवाज उसके शरीर में शक्ति तथा नसों में बिजली उत्पन्न कर रही थी । भावों के आवेग में उसने कुश्ती करने को सोचा और बिना कुछ सोचे समझे शेर के बच्चे यानी चाँद सिंह ~~से~~ को चुनौती दे दी ।